

दैनिक
लोकजीवन
www.lokjeewan.com
जयपुर एवं भीलवाड़ा से प्रकाशित राज्य स्तरीय समाचार पत्र
संस्थापक - स्व. डॉ. शिवकुमार जी त्रिवेदी



वर्ष- 19 | अंक- 191 | जयपुर. रविवार . | 08 नवम्बर , 2026 | RNI No. RAJHIN/2008/26744 | मूल्य 1 रूपया | पृष्ठ - 4

न्यूज इनबॉक्स

राजनाथ सिंह ने सुकना में जवानों संग मनाई दिवाली

सिलीगुड़ी (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी स्थित सुकना मिलिट्री स्टेशन पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय सेना की त्रिशक्ति कोर (33 कोर) के जवानों के साथ दिवाली का पावन पर्व बड़े ही उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर उन्होंने सैनिकों के साथ पारंपरिक 'बड़ा खाना' में हिस्सा लिया और उनके साथ रात्रिभोज भी किया। जवानों को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि वे यहां किसी औपचारिक दौरे पर एक मंत्री की हैसियत से नहीं, बल्कि अपने परिवार के सदस्यों के बीच दिवाली की खुशियां बांटने आए हैं। उन्होंने सीमाओं की रक्षा में तत्पर सैनिकों के त्याग को नमन करते हुए देशवासियों और सरकार की तरफ से उनके परिवारों के कल्याण की पूरी जिम्मेदारी लेने का आश्वासन दिया। अपने संबोधन के दौरान राजनाथ सिंह ने सुरक्षा परिदृश्य में आ रहे तेजी से बदलावों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि सुकना केवल एक सामान्य सैन्य स्टेशन नहीं है, बल्कि यह पूर्वी भारत की संपूर्ण सुरक्षा संरचना की एक बेहद महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने जवानों को सतर्क करते हुए कहा कि आज युद्ध का रूप हाइब्रिड और बहुआयामी (हाइब्रिड वॉरफेयर) हो चुका है। वर्तमान समय में दुश्मन केवल सीधे तौर पर सीमा पर नहीं आता, बल्कि साइबर हमलों, ड्रोन से निगरानी, सोशल मीडिया पर अफवाहों और फेक न्यूज (सूचना युद्ध) के जरिए देश और उसकी व्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास करता है। ऐसे में सेना को हर पल 24 घंटे परिचालन तैयारियों और तकनीकी सतर्कता के साथ तैयार रहना होगा।

विलय पर फडणवीस का बड़ा बयान, बोले- राजग को भरोसे में लेना होगा

नागपुर (एजेंसी) । महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर में एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अजित पवार की राकांपा और शरद पवार की राकांपा (एसपी) दो अलग-अलग पार्टियां हैं। दोनों दल अपने फैसले लेने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र हैं। हाल ही में प्रफुल्ल पटेल और शरद पवार की मुलाकात का एक वीडियो सामने आने के बाद दोनों धड़ों के फिर से एक होने की चर्चाएं बहुत तेज हो गई थीं। फडणवीस ने कहा कि विलय को लेकर दोनों पार्टियां अपने स्तर पर खुद फैसला करेंगी। लेकिन अगर ऐसी कोई बातचीत आगे बढ़ती है, तो वे राजग को भरोसे में लेकर सलाह जरूर लेंगे। फिलहाल किसी भी पक्ष ने इस बारे में भाजपा या गठबंधन के वरिष्ठ नेताओं से कोई बात नहीं की है। महाराष्ट्र के राजनीतिक गलियारों में इन दिनों राकांपा के दोनों धड़ों के बीच संभावित विलय को लेकर चर्चाएं काफी जोरों पर हैं, जिसकी शुरुआत वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल के हाल ही में मुंबई के एक अस्पताल में शरद पवार से मुलाकात करने और 10 नवंबर के बाद बैठक की संभावना जताने वाले एक वायरल वीडियो से हुई। इसके बाद, राकांपा नेता सुनील तटकरे के इस बड़े दावे ने इन अटकलों को और हवा दे दी कि यदि दिवंगत अजित पवार आज जीवित होते, तो दोनों गुटों का यह बहुप्रतीक्षित विलय फरवरी महीने में ही हो चुका होता।

हार्दिक पांड्या पंजाब किंग्स में शामिल, अर्शदीप की मुंबई में एंट्री

नई दिल्ली (एजेंसी) । आईपीएल के आगामी सीजन से पहले एक बड़े ट्रेड की खबर सामने आई है। स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या पंजाब किंग्स में शामिल हो गए हैं, जबकि तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह मुंबई इंडियंस का हिस्सा बन गए हैं। दोनों फ्रेंचाइजी के बीच खिलाड़ियों की अदला-बदली पर सहमति बन गई है। आईपीएल नीलामी से पहले इस ट्रेड को पूरा कर लिया गया है। आईपीएल से जुड़े एक सूत्र ने इस ट्रेड की पुष्टि की है। सूत्र के मुताबिक, हार्दिक पांड्या पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुआई में खेलने को लेकर खुश हैं। माना जा रहा है कि श्रेयस आगामी सीजन में भी टीम की कप्तानी जारी रखेंगे। सूत्र ने बताया कि हार्दिक को टीम में शामिल करने का फैसला पंजाब किंग्स के कप्तान और कोच ने मिलकर लिया है। वहीं, अर्शदीप सिंह लंबे समय से पंजाब की टीम का हिस्सा रहे हैं और फ्रेंचाइजी के साथ रहते हुए उन्होंने अपनी पहचान बनाई है। उनके शानदार प्रदर्शन को देखते हुए मालिकों के लिए उन्हें रिलीज करने का फैसला आसान नहीं था। हालांकि, कप्तान और कोच ने इस ट्रेड को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। हार्दिक पांड्या का मुंबई इंडियंस के साथ दूसरा कार्यकाल भी समाप्त हो गया है।

छुट्टी की सूचना

सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं व शुभचिंतकों को दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। इस उपलक्ष्य में 08 नवंबर एवं 09 नवंबर, 2026 को दैनिक 'लोकजीवन' कार्यालय में अवकाश रहेगा। अत: हमारा अगला अंक 11 नवंबर, 2026 को प्रकाशित होगा।

-संपादक

राममय हुई अयोध्या, 30 लाख दीपों की रोशनी से जगमगाए घाट



अयोध्या (एजेंसी) । रामनगरी शनिवार को एक बार फिर इतिहास की साक्षी बनी। अवसर था दीपोत्सव का, जब भक्ति, आस्था, संस्कृति और उल्लास के अद्भुत संगम ने पूरी अयोध्या को उत्सव के रंग में रंग दिया।

सुबह साकेत महाविद्यालय से निकली श्रीराम राज्याभिषेक शोभायात्रा से शुरू हुआ उत्सव देर शाम तक 30 लाख दीपों की रोशनी, सरयू की महाआरती, ड्रोन शो और आतिशबाजी के बीच अपने चरम पर पहुंचा। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की मौजूदगी ने आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया।

दीपोत्सव का शुभारंभ सुबह 10 बजे साकेत महाविद्यालय से श्रीराम राज्याभिषेक शोभायात्रा के साथ हुआ। करीब तीन किलोमीटर की दूरी तय कर शोभायात्रा रामकथा पार्क पहुंची। इसमें प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को दर्शाती 14 झांकियों के साथ रामायण के सातों कांडों पर आधारित झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। 14 राज्यों के 500 से अधिक कलाकारों ने अपनी-अपनी लोकसंस्कृतियों और परंपराओं की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। शोभायात्रा जैसे ही साकेत महाविद्यालय से आगे बढ़ी, रामनगरी की सड़कें आस्था और उल्लास से भर उठीं। जगह-जगह खड़े अयोध्यावासियों ने पुष्पवर्षा कर कलाकारों का स्वागत किया। कहीं जय श्रीराम के जयघोष गूंज रहे थे तो कहीं लोग मोबाइल में इस ऐतिहासिक पल को कैद करने में जुटे थे। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में उत्साह देखते ही बन रहा था।

30 लाख दीप जलाने के लक्ष्य को पीछे छोड़ते हुए इस बार अयोध्या में एक साथ 30,07,518 दीये प्रज्वलित किए गए। दीपोत्सव के नोडल अधिकारी प्रो. संत शरण मिश्र ने यह आधिकारिक जानकारी दी। इसी बीच उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का आगमन हुआ और रामकथा पार्क में श्रीराम के राज्याभिषेक की प्रक्रिया शुरू हुई। रामचरितमानस की चौपाई ' 'प्रथम तिलक वशिष्ठ मुनि कीन्हा, पुनि सब बिप्रन्ह आयसु दीन्हा। सुत बिलोकि हरषीं महतारी, बार बार आरती उतारी...'', मानो मंच पर साकार हो उठी। सबसे पहले उपराष्ट्रपति ने प्रभु श्रीराम का राजतिलक किया। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने तिलक कर आरती उतारी। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक सहित मंत्रिमंडल के अन्य सहयोगियों और रामनगरी के प्रमुख संतों ने भी बारी-बारी से राम दरबार की आरती की। दोपहर करीब ढाई बजे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रामकथा पार्क पहुंचे। इसके बाद वह उपराष्ट्रपति और राज्यपाल के साथ राम मंदिर पहुंचे। यहां तीनों अतिथियों ने रामलला की आरती उतारी और दीप प्रज्वलित कर प्रतीकात्मक रूप से दीपोत्सव का शुभारंभ किया। राम मंदिर में दर्शन-पूजन के बाद सभी रामकथा पार्क पहुंचे। यहां हेलीकॉप्टर से पहुंचे भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और हनुमान के स्वरूपों का विधिविधान से पूजन-अर्चन किया गया। रामकथा पार्क में सजे रामदरबार के मंच पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भगवान श्रीराम का प्रतीकात्मक राज्याभिषेक किया। राजतिलक के साथ ही रामनगरी में दीपोत्सव की भव्यता अपने चरम पर पहुंच गई। घाटों और मंदिरों सहित अयोध्या के विभिन्न हिस्सों में 30 लाख दीपों की रोशनी फैलने लगी। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उपराष्ट्रपति के साथ राम की पैड़ी पहुंचे। यहां 2100 से अधिक लोगों ने एक साथ सरयू की महाआरती की। मंत्रोच्चार, शंखनाद और दीपों की कतारों के बीच सरयू का तट अलौकिक दृश्य प्रस्तुत कर रहा था। इसके बाद आसमान में सजे ड्रोन शो, लेजर शो और आतिशबाजी ने उत्सव की भव्यता को और बढ़ा दिया। रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगाते आसमान और दीपों से दमकती रामनगरी ने एक बार फिर दुनिया को अयोध्या की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का भव्य संदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम में की शिरकत, कार्यकर्ताओं को दी दीपोत्सव की शुभकामनाएं

अंतिम व्यक्ति के जीवन में खुशहाली से ही साकार होगा रामराज्य : भजनलाल







जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि दीपावली का पर्व हमें सनातन संस्कृति, विरासत और संस्कारों को आगे बढ़ाने की प्रेरणा देता है। यह पर्व प्रभु श्रीराम के अयोध्या लौटने की खुशी में मनाया जाता है। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम ने सभी को साथ लेकर चलने का काम किया। हमें भी भगवान श्रीराम के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से प्रेरणा लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के संकल्प के साथ विकसित राजस्थान का सपना साकार करना है। मुख्यमंत्री ने शनिवार को सांगानेर में आयोजित दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के जीवन में खुशहाली से ही रामराज्य की परिकल्पना साकार हो सकती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केन्द्र एवं राज्य सरकार गरीब कल्याण के लिए कार्य कर रही है। इसी का परिणाम है कि हाल ही में जारी वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट के अनुसार भारत में पिछले 12 वर्षों में 50 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के विचार को आत्मसात करते हुए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार विगत पौने तीन वर्षों से राजस्थान की जनता की सेवा में एक सेवक के रूप में जुटी हुई है। राजस्थान को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए 'यही समय है-सही समय है' । इस अवसर पर उन्होंने सपत्नीक उपस्थित रहकर जनप्रतिनिधियों, भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से आत्मीय मुलाकात की और मिठाई खिलाकर दीपावली की शुभकामनाएं दीं।

मोदी और राधाकृष्णन ने साथ मनाई दिवाली

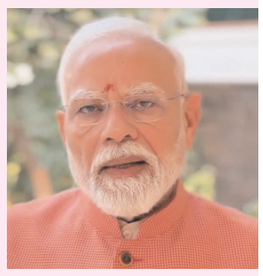
नई दिल्ली (एजेंसी) । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को उपराष्ट्रपति भवन में दिवाली मनाई। इस दौरान उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने धार्मिक अनुष्ठान के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के माथे पर तिलक लगाया। दोनों नेताओं ने इस मौके पर साथ में तस्वीर भी खिंचवाई। उपराष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री को स्मृति चिह्न भी भेंट किया। पीएम मोदी ने इस दौरान की तस्वीरों को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में साझा किया है। पीएम मोदी ने पोस्ट में लिखा- उपराष्ट्रपति थिरू सीपी राधाकृष्णन जी से मुलाकात की और दिवाली की शुभकामनाओं का आदान-प्रदान किया।

इस अवसर पर उपराष्ट्रपति भवन में दीपावली का पारंपरिक उल्लास देखने को मिला। दोनों नेताओं ने एक-दूसरे को प्रकाश पर्व की बधाई दी और देशवासियों के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। दिवाली भारतीय संस्कृति का प्रमुख त्योहार है, जिसे पूरे देश में उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। प्रधानमंत्री मोदी विभिन्न अवसरों पर देश की सांस्कृतिक परंपराओं और त्योहारों से जुड़े आयोजनों में भाग लेते रहे हैं। दिवाली के अवसर पर भी उन्होंने शुभकामनाओं के माध्यम से भारतीय परंपराओं और सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया।

जवानों के साथ दिवाली मनाने की परंपरा इस बार भी रहेगी कायमः मोदी

दिवाली पर फिर जवानों के बीच पहुंचेंगे पीएम मोदी, देशवासियों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दीवाली की पूर्व संध्या यानी छोटी दीवाली के अवसर पर पीएम मोदी ने देशावासियों के नाम एक वीडियो संदेश जारी किया। इस वीडियो के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को दीवाली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। साथ ही उनके जीवन में सुख-समृद्धि की कामना की। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने दोहराया कि इस बार भी वह जवानों के साथ दिवाली मनाने की अपनी पुरानी परंपरा को जारी रखेंगे।



'दीवाली पर जवानों के साथ रहने की परंपरा रहेगी कायम'

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो संदेश जारी कर देश के लोगों को दीवाली की बधाई दी। उन्होंने कहा कि रोशनी का यह पावन पर्व देश में चारों ओर उत्साह भर देता है और यह बुराई व अंधकार के खिलाफ भारत के मजबूत संकल्प को दर्शाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में कहा कि जैसा कि आप सब जानते हैं, देश के वीर जवानों के साथ दीवाली मनाने की मेरी एक पुरानी परंपरा रही है और इस साल भी मैं इस परंपरा को पूरी निष्ठा के साथ जारी रखूंगा। इसके साथ ही उन्होंने देशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

अखिलेश पर योगी का तीखा तंज- रामभक्तों से माफी मांगकर अयोध्या आएं

अयोध्या (एजेंसी) । 10वें दीपोत्सव पर अयोध्या पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ विपक्ष पर जमकर बरसे। समाजवादी पार्टी को निशाने पर लेते हुए सीएम योगी ने अखिलेश यादव के अयोध्या आने पर तंज कसा। उन्होंने कहा, जिन्होंने अयोध्या को अपमानित करने का काम किया, जिनकी सरकार ने रामभक्तों पर गोलियां चलवाईं, वह अब राम मंदिर जाने की बात कर रहे हैं। ऐसे लोग अगर अयोध्या आ रहे हैं तो वह पहले रामभक्तों और संतों से माफी मांग लें।

सपा पर हमलावर हुए सीएम योगी ने कहा, जो लोग अयोध्या की गलियों को रक्तरंजित करते थे, आज वह भी अपने लोग का स्मरण नहीं कर पा रहे हैं। मुझे तो आश्चर्य होता है उन लोगों पर जब वह किसी कथा में जाते हैं तो उन्हें यह भी पता नहीं होता है कि कथा है या मुशायरा है। उन्होंने कहा, हमारे यहां कथाओं की अपनी मर्यादा है, उसकी पवित्र परंपरा है। सीएम योगी ने कहा, जिन लोगों ने अयोध्या को उपेक्षित किया था, अपमानित किया था, रामभक्तों पर गोलियां चलाई थीं, संतों पर लाठीचार्ज करवाया था वे लोग अयोध्या आएं जरूर लेकिन माफी मांग करके आएं। अखिलेश यादव का बिना नाम लिए सीएम योगी ने कहा, रामभक्तों और संतों से एक बार वह माफी मांगें। अपने कृत्यों से पश्चाताप कर लें। हमारे प्रभु सबको माफ करेंगे। लेकिन अहंकारी सत्ता को समाप्त करने में प्रभु क्षण नहीं लगाते हैं।

सीएम योगी ने कहा, अयोध्या अब कभी कर्फ्यू के दायरे में नहीं आएगी। अब अयोध्या को कोई उपेक्षित नहीं कर पाएगा। अयोध्या के संतों को कोई अपमानित नहीं कर पाएगा और न ही कोई राम भक्तों पर गोली चला पाएगा। सीएम योगी ने सपा सरकार के समय को याद करते हुए कहा, पहले अयोध्या को तीन घंटे बिजली मिलती थी। आज अयोध्या देश की स्मार्ट सिटी और सोलर सिटी भी है। आज अयोध्या के पास धर्म पथ, भक्ति पथ श्रीराम पथ, जनमभूमि पथ के रूप में दुनिया को आकर्षित कर रहे हैं। पहले अयोध्या में आने पर अंकुश लगता था।

सोनिया के आरोपों पर भाजपा का पलटवार, बोली- इटैलियन चश्मा उतारकर देखिए भारत की तरक्की



नई दिल्ली (एजेंसी) । कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के मोदी सरकार पर लोकतंत्र और संस्थाओं को नुकसान पहुंचाने के आरोपों के बाद भाजपा ने पलटवार किया है। भाजपा ने उन्हें पिछले 12 वर्षों में देश की तरक्की देखने की नसीहत दी। पार्टी ने सोनिया गांधी के इमरजेंसी को सांविधानिक बताने वाले बयान पर भी सवाल उठाए। साथ ही बटला हाउस मुठभेड़, 1984 के सिख विरोधी दंगों और बोफोर्स मामले का जिक्र कर कांग्रेस को घेरा।

सोनिया गांधी ने मोदी सरकार को लेकर क्या कहा था?

सोनिया गांधी ने अपनी आने वाली किताब 'बिलॉन्गिंग: अ जर्नी ऑफ लव' के विमोचन से पहले अंग्रेजी अखबार 'द हिंदू' को साक्षात्कार दिया था। इसमें उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले कुछ वर्षों में देश के लोकतंत्र, संस्थाओं और सामाजिक ताने-बाने को काफी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत की व्यवस्था को गहरा नुकसान हुआ है। यहां तक कि मोदी सरकार के जाने के बाद भी देश की संस्थाओं और व्यवस्था को फिर से पटरी पर लाने में समय लगेगा। सोनिया गांधी ने यह भी कहा कि अब लोग इस नुकसान को समझने लगे हैं और उनमें बेचैनी बढ़ रही है। सोनिया गांधी के बयान पर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया दी। पार्टी के वरिष्ठ नेता तरूण चुघ ने कहा कि सोनिया गांधी को 'इटैलियन चश्मा' उतारकर भारत की तरक्की देखनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि पिछले 12 वर्षों में देश ने हर क्षेत्र में प्रगति की है और भारत वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रहा है। चुघ ने कहा, 'अगर आप अपना इटैलियन चश्मा उतार देंगी तो आपको भारत की असली तस्वीर दिखाई देगी। सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास और 7.8 प्रतिशत की जीडीपी विकास दर के साथ आगे बढ़ता भारत नजर आएगा।' भाजपा सांसद ने यह भी कहा कि देशभर में आस्था की नई लहर दिखाई दे रही है, लेकिन सोनिया गांधी इसे पचा नहीं पा रही हैं। चुघ ने कहा कि सोनिया गांधी को अपनी किताब में कांग्रेस शासन के दौरान सामने आए कथित घोटालों का भी जिक्र करना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस के इतिहास पर जाति, धर्म और वोट बैंक की राजनीति के जरिए देश को बांटने का आरोप लगाया। चुघ ने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान सामने आए विभिन्न घोटालों पर सोनिया गांधी अपनी किताब में क्या लिखेंगी? बटला हाउस मुठभेड़ में आतंकी के मारे जाने के बाद सोनिया गांधी के कथित तौर पर रोने को लेकर चुघ ने सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि ऐसा क्यों हुआ था? भारतीय सैनिकों की शहादत पर सोनिया गांधी ने अब तक कोई बयान क्यों नहीं दिया? 1984 के सिख विरोधी दंगों और तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के 'जब बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती हिलती है' वाले बयान पर वह क्या कहेंगी? बोफोर्स तोप सौदे में कथित दलाली और इसमें शामिल लोगों को लेकर वह क्या लिखेंगी? चुघ ने आगे कहा कि भोपाल गैस त्रासदी के आरोपियों को देश से बाहर जाने की अनुमति कैसे मिली और इसके पीछे किसका हाथ था? भारतीय संस्कृति को कभी बीमारी तो कभी संक्रमण बताने वाले बयानों पर सोनिया गांधी का क्या रूख है?

दैनिक लोकजीवन
जयपुर एवं भीलवाड़ा से एक साथ प्रकाशित
संस्थापक - स्व. डॉ. दिनकुमार जी त्रिवेदी

विपक्ष की राजनीति से मोहभंग, युवा नेताओं ने बनाई दूरी

किसी भी राजनीतिक दल की वास्तविक ताकत उसके कार्यकर्ताओं और युवा संगठन की सक्रियता से तय होती है। यदि पार्टी के युवा नेता ही नेतृत्व के आह्वान पर मैदान में उतरने से कतराने लगें तो यह संगठन के लिए गंभीर चिंता का विषय है। केवल नारों, आरोपों और विरोध प्रदर्शनों के सहारे राजनीतिक जमीन मजबूत नहीं की जा सकती। जनता उन मुद्दों को अधिक महत्व देती है, जिनका सीधा संबंध उसके जीवन, रोजगार, महंगाई, शिक्षा और विकास से होता है। कांग्रेस को यह समझना होगा कि लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका केवल सरकार पर आरोप लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उसे ठोस विकल्प और सकारात्मक नीतियां भी प्रस्तुत करनी होती हैं। युवा वर्ग रोजगार और भविष्य की संभावनाओं को लेकर स्पष्ट दृष्टिकोण चाहता है। ऐसे में पार्टी यदि युवाओं को केवल राजनीतिक प्रदर्शनों तक सीमित रखेगी तो उनका भरोसा जीतना कठिन होगा। संगठन में नई ऊर्जा लाने के लिए नेतृत्व को आत्ममंथन करना होगा और जमीनी कार्यकर्ताओं की बात सुननी होगी। राजनीतिक विरोध का आधार तथ्य और तर्क होने चाहिए, न कि केवल आरोप-प्रत्यारोप। चुनावी राजनीति में बार-बार एक ही मुद्दे को दोहराने से जनता का भरोसा हासिल नहीं किया जा सकता। कांग्रेस को अपनी रणनीति, नेतृत्व शैली और जनसंपर्क के तरीकों में बदलाव करना होगा। अन्यथा संगठन की आंतरिक निराशा और असंतोष आगे भी सामने आता रहेगा। कांग्रेस के युवा नेताओं की रामलीला मैदान में अनुपस्थिति केवल यही बयान नहीं कर रही कि उन्हें पार्टी नेतृत्व और विशेषकर राहुल गांधी के इस नैरेटिव में कोई दम नहीं दिखा कि मतदाता सूचियों के शुद्दीकरण की प्रक्रिया यानी एसआइआर के जरिये वोट चोरी की जा रही है। उनकी दिल्ली में गैरहाजिरी यह भी बता रही है कि कांग्रेस का युवा संगठन शिथिल और उत्साहहीन है। संभव है इसका कारण राहुल गांधी की ओर से एसआइआर को वोट चोरी करार देकर उसे अनावश्यक तूल देना हो। यह पहली बार नहीं, जब राहुल ने ऐसा मुद्दा उठाया हो, जो आम जनता का ध्यान नहीं खींच सका। इसके पहले उन्होंने राफेल सौदे को लेकर चौकीदार चोर है का नारा गढ़ा, लेकिन नाकाम रहे। ईवीएम के खिलाफ मोर्चा खोलने से भी उन्हें कुछ हासिल नहीं हुआ। उनके इस आरोप ने भी जनता के बीच कोई असर नहीं दिखाया कि मोदी सरकार केवल चंद उद्यमियों के लिए ही काम कर रही है। राहुल गांधी और उनके साथी यह समझने को तैयार नहीं कि किसी तत्वहीन मुद्दे को तूल देने और अशालीन भाषा इस्तेमाल करने से वह प्रभावी मुद्दा नहीं बन जाता। जब कोई मुद्दा जनता का ध्यान आकृष्ट नहीं कर पाता तो उसे लेकर पार्टी के छोटे-बड़े नेताओं को लोगों को अपने साथ जोड़ना कठिन हो जाता है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के साथ यही हो रहा है। समस्या यह है कि अपनी गलतियों से सबक सीखने के स्थान पर कांग्रेस अतिवादी किस्म के वामपंथियों और ऐसे लोगों को साथ लेना पसंद कर रही है, जो अराजकता की राजनीति करने के लिए जाने जाते हैं। अभी हाल तक काकरोच जनता पार्टी से दूरी बनाने वाली कांग्रेस ने दिल्ली की अपनी रैली के लिए उसे भी अपने साथ लेना जरूरी समझा।

यह वह समूह है, जिस पर विदेशी संगठनों के प्रभाव में काम करने के आरोप लगे हैं। शायद इसी कारण प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्ष भारत विरोधी ताकतों के साथ मिलकर देश तोड़ने की साजिश रच रहा है। गत दिवस केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने भी कहा कि सीजीपी नेताओं को बाहरी देशों से वित्तीय मदद मिल रही है। यदि ऐसा कुछ है तो केवल आरोपों से बात नहीं बनेगी। सरकार को अपने आरोपों के पक्ष में तथ्य सामने रखने होंगे। कांग्रेस ने सहयोगी दलों के साथ दिल्ली के रामलीला मैदान की अपनी वोट बचाओ-देश बचाओ रैली में दावे और साथ ही अपेक्षा से कहीं कम भीड़ जुटने के कारण जिस तरह कई राज्यों के दो सौ से अधिक पदाधिकारियों को निलंबित कर दिया, उससे उसकी हताशा और खीझ का ही पता चलता है। अधिकतर निलंबित पदाधिकारी युवक कांग्रेस के हैं। इनमें प्रदेश युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष, महासचिव और सचिव स्तर के नेता हैं। इन पर गाज इसलिए गिरी, क्योंकि वे दिल्ली आए ही नहीं।

अमेरिकी सियासत में बदलाव, भारत के लिए राहत के साथ नई चुनौतियां भी

अमेरिकी मतदाताओं के सबसे बड़ा मुद्दा अर्थव्यवस्था थी। पेट्रोल, रोजगार, राशन, मकान का किराया और नौकरियां उनकी प्रमुख चिंताएं थीं

भारत को प्रभावित करने वाले लगभग सभी बड़े फैसले राष्ट्रपति के अधिकारों, खासकर आपातकालीन शक्तियों के आधार पर लिए गए हैं। टैरिफ हटाने के लिए यदि कोई विधेयक पारित भी होता है, तो उसे ट्रंप की मंजूरी के लिए भेजना होगा और उनके वीटो करने की पूरी आशंका है। और, वीटो को निष्प्रभावी करने के लिए जरूरी बहुमत डेमोक्रेट्स के पास नहीं है। ऐसे में, फरवरी तक टैरिफ, वीजा शुल्क और रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर भारत पर दबाव बना रह सकता है।

भारत अपनी कुल जरूरत का लगभग 88 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है। ईरान युद्ध शुरू होते ही वैश्विक बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमत 120 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई। इसके बावजूद, भारत ने अपेक्षा से कहीं बेहतर तरीके से हालात संभाले। चुनाव नतीजे आने के बाद से कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आई है। डॉलर कमजोर हुआ है और अमेरिकी बॉन्ड पर मिलने वाला ब्याज (यील्ड) भी घटता है। इससे भारत में महंगाई घट सकती, रूपये को स्थिरता मिल सकती है और तेल आयात पर होने वाला खर्च भी कम होगा। डेमोक्रेट्स से भारत के पक्ष में फैसलों की उम्मीद करना स्वाभाविक है, पर मुझे नहीं लगता कि ऐसा कुछ होने वाला है। डेमोक्रेटिक पार्टी कभी भी मुक्त व्यापार की समर्थक नहीं रही है। रूस के मामले में भी डेमोक्रेट्स रूख ट्रंप से कहीं अधिक सख्त हैं। ऐसे में, यदि कांग्रेस रूस पर और कड़े प्रतिबंध लगाने का दबाव बनाती है, तो भारतीय तेल रिफाइनरियों के लिए मुश्किलें बढ़ सकती हैं। वीजा के मामले में कांग्रेस भारत की मदद कर सकती है। हालांकि, एच-1बी वीजा की फीस तय करना राष्ट्रपति के अधिकार क्षेत्र में आता है। कांग्रेस इस फीस को राजनीतिक रूप से विवादास्पद और महंगा मुद्दा जरूर बना सकती है, लेकिन उसे सीधे रद्द नहीं कर सकती। दूसरी ओर, कंपनियां भी अब कर्मचारियों को कैलिफोर्निया बुलाने के बजाय बेंगलुरू और हैदराबाद में ही नियुक्त कर रही हैं। यह बदलाव किसी एक चुनाव के नतीजे से पलटने वाला नहीं है। घरेलू मोर्चे पर घिरे ट्रंप के फैसले और भी जोखिम भरे हो सकते हैं। यही वह पहलू है, जो मुझे सबसे ज्यादा चिंतित करता है। जब कोई राष्ट्रपति अपने ही देश में राजनीतिक नियंत्रण खोने लगता है, तो अक्सर वह उन क्षेत्रों में अपनी ताकत दिखाने की कोशिश करता है, जहां उसे अकेले फैसले लेने की छूट होती है। ट्रंप के मामले में ये क्षेत्र व्यापार और विदेश नीति हैं। ऐसे में, ट्रंप प्रशासन भारत पर अपनी शर्तों के मुताबिक रूका हुआ व्यापार समझौता जल्द करने के लिए दबाव बढ़ा सकता है पिछले दो वर्षों में नई दिल्ली का जो रूख रहा है, वह कुल मिलाकर कारगर साबित हुआ है। भारत ने न तो कोई जवाबी कार्रवाई की और न ही दबाव के आगे घुटने टेके। उसने वाशिंगटन के साथ रक्षा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपने संबंध और आगे बढ़ाए।

यूरोपीय संघ और ब्रिटेन के साथ भी व्यापार समझौते किए। उसने जहां से भी आर्थिक रूप से फायदेमंद लगा, वहां से तेल खरीदना जारी रखा। भारत को इसी नीति पर आगे बढ़ना चाहिए। भारत किसी भी अमेरिकी राजनीतिक दल के प्रति वफादार रहने के लिए बाध्य नहीं है। अतीत में डेमोक्रेटिक प्रशासन भी भारत के लिए चुनौतीपूर्ण रहे हैं, जबकि रिपब्लिकन भारत के लिए मददगार साबित हुए हैं। समझदारी इसी में है कि वाशिंगटन में जिसके पास भी संबंधित अधिकार या प्रभाव हो, उसके साथ हर मुद्दे पर अलग-अलग काम किया जाए, न कि किसी एक राजनीतिक दल पर दांव लगाया जाए।

अमेरिकी मतदाताओं के सबसे बड़ा मुद्दा अर्थव्यवस्था थी। पेट्रोल, रोजगार, राशन, मकान का किराया और नौकरियां उनकी प्रमुख चिंताएं थीं। उन्होंने किसी विचारधारा के विरोध में ट्रंप को नकारने का फैसला नहीं किया, बल्कि इसलिए नाराज हुए, क्योंकि ट्रंप के कार्यकाल में जीवनयापन लगातार महंगा होता गया। दूसरी ओर, सरकार टैरिफ, युद्ध और राजनीतिक लड़ाइयों में उलझी रही। मुझे लगता है कि लोगों का यह मिजाज सिर्फ अमेरिका तक सीमित नहीं है। हर जगह लोग गुस्से पर आधारित राजनीति से थक चुके हैं।

लोग बहुत जटिल चीजें नहीं चाहते; वे बस एक किफायती जीवन, थोड़ी सुरक्षा और कम उथल-पुथल चाहते हैं। ट्रंप को इस हफ्ते पता चल गया कि जब कोई सरकार इन बुनियादी बातों से नजर हटा लेती है, तो क्या होता है। पिछले दो वर्षों से भारत को ट्रंप प्रशासन की ओर से लगातार झटके मिलते रहे हैं। इसलिए, मैं समझ सकता हूं कि बुधवार को सुबह भारत में बड़ी संख्या में लोगों को राहत और खुशी क्यों महसूस हुई। अमेरिकी मतदाताओं ने मध्यावधि चुनावों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को करारी शिकस्त दी। पार्टी को उन सीटों से भी हाथ धोना पड़ा, जिन पर दशकों से उसका कब्जा था।

ट्रंप के समर्थन से ओहियो के गवर्नर पद का चुनाव लड़ रहे विवेक रामास्वामी तो ज्यादातर लोगों का नाश्ता खत्म होने से पहले ही चुनावी दौड़ से बाहर हो गए। परिणामों के बाद ट्रंप ने सफाई दी कि वह खुद चुनाव नहीं लड़ रहे थे। हालांकि, प्रचार के दौरान उन्होंने मतदाताओं से कहा था कि इस चुनाव को ऐसा समझें, मानो वह खुद मैदान में हों।

भारत की शिकायतों की फेरलिस्ट काफी लंबी है। भारतीय सामान पर 50 प्रतिशत तक टैरिफ लगा दिया गया। नई एच-1बी वीजा याचिकाओं पर एक लाख डॉलर की फीस लगा दी गई, जिसका सबसे अधिक असर भारतीय इंजीनियरों पर पड़ा। भारत वापस भेजे गए लोगों को हथकड़ियों और बेड़ियों पहनाकर सैन्य विमान से यहां लाया गया। ट्रंप ने भारतीय अर्थव्यवस्था को 'मृत' तक बता दिया। वह बार-बार दावा करते रहे हैं कि उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' रूकवाया है, जबकि भारत ने इसे अस्वीकार किया है। लेकिन भारत ने किसी तीसरे देश की दखलअंदाजी को हमेशा अस्वीकार किया है।

इतना ही नहीं, संघर्ष समाप्त होने के कुछ ही हफ्तों बाद उन्होंने पाकिस्तान के सेना प्रमुख को व्हाइट हाउस में दोपहर के भोजन पर आमंत्रित किया। ऐसे में, ट्रंप की शक्तियों पर अंकुश लगना स्वागतयोग्य है। लेकिन, दिल्ली में जश्न शुरू करने से पहले थोड़ी सावधानी बरतने की सलाह क्योंकि किसी पर लगाम कसने का मतलब यह नहीं है कि उसके पिछले फैसलों को पूरी तरह पलट दिया जाए।

मध्यावधि चुनाव में ट्रंप को करारा झटका, डेमोक्रेट्स का दबदबा

अमेरिका के सहयोगियों से लेकर प्रतिद्वंद्वी तक के लिए मध्यावधि चुनावों के परिणाम मायने रखते हैं। बदले राजनीतिक परिदृश्य में अमेरिकी नीति-निर्माण में अस्थिरता गहराने का अंदेशा है। कार्यकारी शक्ति के रूप में ट्रंप प्रशासन के पास विदेश मामलों पर निर्णय के विशेषाधिकार तो कायम रहेंगे, लेकिन संसदीय गतिरोध से उनका प्रभाव अवश्य प्रभावित होगा। अमेरिका के विरोधी देश इसका लाभ उठाने की गुंजाइश तलाशेंगे।

खास तौर से वैश्विक ऊर्जा बाजार के लिए यह स्थिति और संवेदनशील होगी, जहां ईरान संघर्ष, प्रतिबंधों की नीति और सैन्य भागीदारी पर संसद की कड़ी निगरानी का मिलाजुला असर कच्चे तेल की कीमतों में अस्थिरता बढ़ा सकता है, जिसका व्यापक प्रभाव वैश्विक मुद्रास्फीति पर पड़ेगा। यूरोपीय सहयोगियों के साथ ही हिंद प्रशांत क्षेत्र के सहयोगी देशों के लिए डेमोक्रेट्स की बढ़ी शक्ति संवाद का एक वैकल्पिक माध्यम और अमेरिकी सुरक्षा में एकतरफा कटौती के सापेक्ष कुछ हद तक भरोसा प्रदान कर सकती है, लेकिन फिर भी अपने सुरक्षा दायित्वों का बोझ सहयोगी देशों को मुख्य रूप से स्वयं ही उठाना पड़ेगा।

भारत के लिए भी अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के नतीजे गहरे अर्थ लिए हुए हैं। भले ही दोनों देशों की व्यापक रणनीतिक साझेदारी एक बड़ी हद तक हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग पर टिकी हो, लेकिन वाशिंगटन में बदले राजनीतिक समीकरण विशेष नीतिगत क्षेत्रों में नए अवसर बना सकते हैं।

इसी के साथ जहां डेमोक्रेटिक पार्टी की जीत व्यापार वार्ताओं की राह को और जटिल बना सकती है, वहीं घरेलू राजनीतिक आलोचनाओं से निपटने के उद्देश्य से ट्रंप ठोस आर्थिक परिणाम दिखाने के लिए व्यापार समझौते को तेजी से आगे बढ़ाने का प्रयास कर सकते हैं। एकतरफा टैरिफ को लेकर संसद की निगरानी भी नई दिल्ली के लिए सौदेबाजी की ताकत बढ़ाएगी, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में, जहां अमेरिकी बाजार तक पहुंच व्यावसायिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इसके बाद भी यह मानकर नहीं चलना चाहिए कि संसद पर डेमोक्रेटिक नियंत्रण से अमेरिकी व्यापार नीति स्वाभाविक रूप से भारत के प्रति लचीली हो जाएगी। वर्तमान में बाजार तक पहुंच, घरेलू उद्योग संरक्षण और व्यापार असंतुलन से जुड़े मुद्दे केवल रिपब्लिकन पार्टी तक सीमित नहीं रह गए हैं। आव्रजन भी एक ऐसा क्षेत्र है, जहां संसद में बदला हुआ शक्ति-संतुलन भारत के लिए काफी मायने रख सकता है। रूसी कच्चे तेल की निरंतर खरीद का मुद्दा भी द्विपक्षीय संबंधों में तनाव और मतभेद का एक पहलू बना रहेगा।

मध्यावधि चुनावों ने ट्रंप के शेष कार्यकाल में राजनीतिक अनिश्चितता बढ़ाने का काम किया है। विधायी प्रतिरोध उनके घरेलू एजेंडे को सीमित करने के साथ विदेश नीति से जुड़े लक्ष्यों की पूर्ति को जटिल बना सकते हैं। यह जनादेश हिंद-प्रशांत क्षेत्र को लेकर अमेरिकी विदेश नीति पर दोनों दलों के नजरिए की बुनियाद को बदले बिना ट्रंप की अतिशय महत्वाकांक्षाओं पर अंकुश लगा सकता है। बदले हालात में नई दिल्ली को व्हाइट हाउस के साथ-साथ नए सिरे से आकार लेने वाली अमेरिकी संसद, दोनों के साथ प्रभावी तालमेल बिठाना पड़ेगा, ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी वाशिंगटन की घरेलू राजनीतिक उथल-पुथल के असर से अप्रभावित रहे।

अमेरिकीमध्यावधि चुनावों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जोरदार झटका लगा। उनकी प्रतिद्वंद्वी डेमोक्रेटिक पार्टी अमेरिकी संसद यानी कांग्रेस के दोनों सदनों प्रतिनिधि सभा एवं सीनेट में बहुमत के पड़ाव पर पहुंच गई है। चुनाव परिणाम ट्रंप प्रशासन को पारंपरिक आईना दिखाने से अधिक कड़ी फटकार लगाने जैसे हैं। इन नतीजों की गूंज कहीं गहरे संदेश समाहित किए हुए हैं। ट्रंप की मनमानी टैरिफ नीतियों से बढ़ी महंगाई से जीवन यापन की लागत में बढ़ोतरी से आम अमेरिकी त्रस्त हो गए थे। ईरान के साथ युद्ध भी घरेलू बेचैनी को बढ़ाने वाला साबित हुआ। मध्यावधि चुनाव में लगे झटके के बाद ट्रंप को अपने शेष कार्यकाल के लिए नए सिरे से रणनीति तैयार करनी होगी, क्योंकि अब उनकी राजनीतिक चुनौतियों का बढ़ना तय है।

अमेरिकी संसद पर डेमोक्रेट का नियंत्रण ट्रंप के घरेलू एजेंडे की डोर को कमजोर करेगा। इससे कराधान, सरकारी खर्च की अनुमति पर तकरार से लेकर विधायी कदमों पर टकराव बढ़ने के आसार बनेंगे। हालांकि ट्रंप के पास टैरिफ, स्वास्थ्य सेवा और आव्रजन संबंधी अपनी नीतियों के मामले में कार्यकारी अधिकारों एवं वीटो की शक्ति होगी, लेकिन संस्थागत द्वंद्व बढ़ने की स्थिति में राष्ट्रपति को किसी ठोस विधायी व्यवस्था के बजाय अस्थायी वित्तीय प्रावधानों से ही काम चलाना पड़ेगा। ट्रंप प्रशासन के लिए संसद की कसौटियां भी सख्त होंगी, जिसमें कार्यकारी शक्तियों के दुरूपयोग, नैतिक सरोकारों और विदेशी व्यावसायिक हितों पर बारीक नजर रखी जाएगी, जबकि सीनेट में डेमोक्रेटिक बहुमत न्यायिक और कैबिनेट स्तर की नियुक्तियों की राह और जटिल बनाएगा। अपने शेष कार्यकाल में ट्रंप को अपनी प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने के बजाय अपने तमाम फैसलों के बचाव में ही अपनी राजनीतिक पूंजी झोंकनी होगी।

इतिहास साक्षी है कि जब भी अमेरिकी राष्ट्रपतियों को घरेलू मोर्चे पर विधायी विरोध के चलते कुछ मुश्किलों का सामना करना पड़ा तो उन्होंने विदेश नीति में अधिक रणनीतिक गुंजाइश तलाशने की कोशिश की है, क्योंकि इस मोर्चे पर उनकी कार्यकारी शक्तियां कहीं व्यापक होती हैं।

ट्रंप भी इसी राह पर बढ़ सकते हैं, लेकिन ईरान से संघर्ष और पश्चिम एशिया की अस्थिरता उनकी विदेश नीति को भी मुकाबले का एक नया अखाड़ा बना सकती है। संसद पर डेमोक्रेटिक नियंत्रण के चलते सैन्य अभियानों, उनके वित्तीय बोझ और सामरिक उद्देश्यों की कहीं अधिक सख्त निगरानी के आसार बढ़ेंगे। इसके अलावा मुद्रास्फीति की चिंताओं के बीच टैरिफ से जुड़ी शक्तियों के एकतरफा इस्तेमाल पर भी ट्रंप प्रशासन को चुनौती मिलेगी।

मदन राठौड़ ने गणेश पूजन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की, कार्यकर्ताओं ने जलाए दीप

भाजपा कार्यालय में छोटी दिवाली पर दीपोत्सव, आतिशबाजी के बीच मनाया पर्व

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में दीपोत्सव के दूसरे दिन छोटी दिवाली के अवसर पर हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ दीपोत्सव मनाया गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने भगवान गणेश का विधिवत पूजन-अर्चन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, संगठन महामंत्री अजेय कुमार, प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, भूपेंद्र सैनी, प्रदेश मंत्री सीताराम पोसवाल, अपूर्वा सिंह, जयपुर सांसद मंजू शर्मा, जयपुर महापौर सुनील कोठारी, विधायक गोपाल शर्मा, कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, सह कार्यालय प्रभारी भवानी शंकर शर्मा, मीडिया प्रभारी प्रमोद वशिष्ठ तथा जिलाध्यक्ष अमित गोयल सहित प्रदेश पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने दीप प्रज्ज्वलित कर दीपोत्सव की खुशियां साझा कीं। इसके पश्चात भव्य आतिशबाजी के साथ उत्सव मनाया गया।





भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने प्रदेशवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीपावली असत्य पर सत्य की विजय और अज्ञान रूपी अंधकार से ज्ञान एवं प्रकाश की ओर अग्रसर होने का पर्व है। यह पर्व प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए, ऐसी मंगलकामना है। राष्ट्रीय संकल्प की सिद्धि में हम सभी की सहभागिता आवश्यक है। हमें राष्ट्र को सर्वोपरि रखते हुए प्रत्येक कार्य में राष्ट्रहित को प्राथमिकता देनी होगी। आमजन के जीवन स्तर को ऊँचा उठाना हमारा सामूहिक दायित्व है, वहीं देशभक्ति, राष्ट्रीय चरित्र और सामाजिक जागरूकता को मजबूत करना भी उतना ही आवश्यक है। हमें इस दीपोत्सव पर संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए एक जागरूक, सशक्त एवं समृद्ध समाज के निर्माण में योगदान देंगे। इसी से हमारा लोकतंत्र और अधिक सुदृढ़ होगा तथा विकसित भारत का सपना साकार होगा। राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में आज भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। देश ने प्रत्येक क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए अपनी स्थिति को सुदृढ़ किया है। वहीं राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने निकाय चुनावों में ऐतिहासिक विजय हासिल की है।

उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी पंचायत चुनावों में भी भाजपा प्रचंड बहुमत के साथ विजय प्राप्त करेगी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रदेश पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए उत्सव की खुशियां साझा कीं।

...इन बातों का ध्यान रखेंगे तो हरदम थकान महसूस नहीं करेंगे

किसी भी व्यक्ति द्वारा थकान का अनुभव करना एक आम बात है। अमूमन माना जाता है कि काम की अधिकता, नींद की कमी, अनावश्यक तनाव व अन्य कारण भी थकान की वजह बनते हैं। लेकिन जब आप पर्याप्त नींद लेते हैं और सही तरह से पोषण युक्त आहार का सेवन करते हैं तो इससे थकान दूर हो जाती है। वहीं कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जिन्हें अकारण ही हरदम थकान की अनुभूति होती है। इसके पीछे की मुख्य वजह होती है आपकी रोजमर्रा के जीवन में की गई कुछ गलतियां।

मनुष्य के शरीर को पानी की आवश्यकता कई मायनों में होती है। जब शरीर में पानी पर्याप्त मात्रा में होता है तो वह आपको काम करने की ऊर्जा प्रदान करता है। वहीं जब शरीर में पानी की कमी हो जाती है, तो इससे आप हमेशा ही थके-थके महसूस करते हैं। इसलिए आप दिन में कम से कम आठ से दस गिलास पानी का सेवन अवश्य करें।

कुछ लोग सुबह के काम जल्दी-जल्दी निपटाने और ऑफिस जाने की जल्दी में नाश्ता स्किप कर देते हैं। लेकिन सुबह का नाश्ता आपके शरीर के लिए एक ईंधन की तरह काम करता है और जब आप पर्याप्त व पोषणयुक्त नाश्ता नहीं करते तो इससे आप बेहद जल्दी थक जाते हैं। इसके अतिरिक्त ऐसे व्यक्ति को लंच से पहले ही भूख लग जाती है और वह अनहेल्दी फूड खा लेते हैं। जिससे थकान के साथ-साथ आपको अन्य भी कई तरह की समस्याएं पैदा हो जाती है। जंक फूड का सेवन स्वास्थ्य के लिए उचित नहीं माना जाता। यह मोटापे से लेकर अन्य कई तरह की परेशानियां तो बढ़ाता है ही, साथ ही इससे आप हमेशा ही थकान का अनुभव करते हैं। दरअसल, ऐसा भोजन चीनी व सिंपल कार्ब्स से लोडेड होता है। कार्बोहाइडेट रक्त शर्करा में वृद्धि करता है, जिसके कारण व्यक्ति हमेशा थका-थका रहता है। कुछ लोग कभी इंटरनेट पर तो कभी टीवी या स्मार्ट फोन पर देर रात तक अपना समय व्यतीत करते हैं, जिसके चलते उनकी नींद पूरी नहीं हो पाती और जब वह सुबह उठते हैं तो भी वह फ्रेश फील नहीं करते।

आपकी थकी आंखों को जवां लुक देगा यह मेकअप



काफी अहम रोल होता है।

ये बात सच है कि आंखें दिल की जुबां होती हैं, लेकिन असल में आंखों के बारे में इतना ही नहीं है, आंखें कई बातों का प्रतीक होती हैं। हमें इस दुनिया की खूबसूरती दिखाने वाली ये आंखें, हमारी खुद की सुंदरता को भी दर्शाती हैं। बड़ी, चमकती और सुंदर आंखे हर दिल का अरमान होती हैं। मर्द हो या औरत, खूबसूरत आंखें देखने वाले को अपनी और खींच ले आती हैं। लेकिन दिन भर की भागदौड़, थकान, तनाव व धूल-धूप और प्रदूषण के चलते आंखें भी थक जाती हैं, और उनसे उनकी थकावट साफ झलकने लगती है। लेकिन ज्यादातर पार्टियां और लोगों से मेल-मुलाकात भी तो शाम के वक्त ही होता है। तो ऐसे में भला आंखों को कैसा मेकअप दें जो वे फिर से जवां और तरो-ताजा दिखने लगें। तो मोहतर्मा बेफिर्क हो जाएं, हम आपको बता रहे हैं आपकी थकी आंखों को जवां लुक देने वाले मेकअप टिप्स के बारे में, जिनकी मदद से आप न सिर्फ आप अपनी आंखों को एक खूबसूरत लुक दे पाएंगी बल्कि इन्हें हो सकने वाले किसी नुकसान से भी बचा सकेंगी।

मेकअप और इसके चुनाव में सावधानी है अहम बात

देखिए आप सावधानी से मेकअप कर अपनी आंखों को जीवंत तो बना ही सकती है, साथ ही इनको किसी प्रकार के कुक्सान से भी बचा सकती हैं। आप का मेकअप हिट भी हो सकता है और फ्लॉप भी। औ यह पूरी तरह निर्भर करता है कि आप मेकअप कैसे और किससे करती हैं। अगर आप वाकई आंखों और इसके मेकअप को लेकर गंभीर हैं तो आपको इन बातों को ध्यान में रखने की जरूरत पड़ेगी। चमक से भरी और बड़ी आंखें हमेशा आकर्षण में रहती है और लोगों का ध्यान भी आकर्षित करती है। लेकिन इसके लिए सावधानी सर्वोपरी होनी चाहिए, जब भी आप किसी मेकअप का चुनाव करें तो थोड़े सावधान रहें। यह जरूर देख लें कि आपका मेकअप आपके आउटफिट से मेल खाता हो। आप चाहे परंपरागत आउटफिट पहनें या फिर मॉडर्न आउटफिट, आपका आई मेकअप ही आपको भीड़ से अलग दिखाएगा।

प्राइमर को लेकर विशेष सावधानी: आई मेकअप में प्राइमर के चुनाव को लेकर विशेष सावधानी बरतें। खआसतौर पर जब आंखें थकान से भरी हों तो ये और भी जरूरी हो जाता है। आंखों के मेकअप का पहला टिप भी यही है। आपका प्राइमर आपके स्किन टोन से मैच करना चाहिए। सांवली महिलाओं को ऐसे प्राइमर का चुनाव करना चाहिए जो उनकी त्वचा के अनुकूल हो। जहां तक प्राइमर लगाने की बात है तो इसकी पतली सी परत ही लगाएं। अगर आप चाहती हैं कि आपका मेकअप लंबे समय तक चले तो आपको प्राइमर का उपोयग करना ही होगा।

आई शैडो: आंखों के मेकअप में आई शैडो बेहद अहम भूमिका निभाता है। आपको हमेशआ ऐसे आई शैडो का चयन करना चाहिए जो आपके रंग से मेल खाता हो। साधारण स्किन टोन वाली महिलाएं पहले हल्के रंग का आई शैडो लगाएं। अगर आप थोड़ा सा फैशनबल दिखना चाहती हैं तो एक से अधिक रंग के शेड्स का इसेतेमाल कर सकती हैं। लेकिन शेड्स के चुनाव को लेकर सावधान रहें। अगर आपका शेड कलर आपकी त्वचा से मेल नहीं खाएगा तो आपका मेकअप भद्दा लग सकता है।

मस्कारा: आंखों के अच्छे मेकअप के लिए पलकों पर ध्यान देना बेहद जरूरी होता है। आंखों के मेकअप में मस्कारे का उपयोग करने से पलकों का वॉल्यूम बढ़ जाता है। इससे आंखें और भी खूबसूरत और बड़ी नजर आने लगती हैं।

आइलाइनर: आइलाइनर और काजल का आंखों के मेकअप में हालांकि इसे लगाते समय थोड़ी सावधानी जरूर बरतनी पड़ती है। आपनी आंखों को एक बेहतरीन सा लुक देने के लिए आप आइलाइनर को थोड़ा चौड़ा करके लगाएं। साथ ही बॉटम में भी लाइन खींचना न भूलें। इससे आंखों की खूबसूरती और बढ़ जाएगी। वैसे तो आंखों के और भी कई मेकअप हैं, लोकिन आपको इनके चुनाव के समय सावधान रहने की जरूरत हमेशा ही होती है।

पहले आंखों को रिलेक्स करें: जब आंखें थकी हों तो, सिर्फ मेकअप उन्हें चमकदार और खूबसूरत नहीं बना सकता। सुबह की नींद ठीक तरह से पूरी न हो पाने की वजह से या फिर बहुत तनाव आदि के कारण आंखों में थकान समा जाती है, जो कि कई दिनों तक दूर नहीं हो पाती। थकी हुई आंखों के कारण आपकी खूबसूरती भी दब सी जाती है। और बावजूद अच्छे कपड़े पहनने और प्रोपर मेकअप के बहुत थकी और डल नजर आती हैं। इसलिए आंखों की थकान या तो पूरी नींद लेने से जा सकती है और या फिर कुछ घरेलू उपचारों से। आंखों की थकान दूर करने के लिए मेकअप से पहले आप निम्न तरीके आपना सकती हैं।

आप आइस आई पैक लगा सकते हैं, इसके लिए एक नैपकिन में आइस क्यूब लपेट लें और अपनी आंखों पर इसे रखें। आंखों के चारों तरफ आइस क्यूब लगाने से आंखों की सूजन और थकान दोरों दूर होते हैं।गुलाब जल आंखों के लिए बेहद फायदेमंद होता है। इसके लिए आप गुलाब जल 2 कॉटन बॉल्स डुबोएं और इन्हें अपनी थकी हुई आंखों पर रखें। ऐसा 10 मिनट तक के लिये करें। थकान दूर हो जाएगी। चंदन पेस्ट से त्वचा को ठंडक मिलती है। आंखों के आस पास की जगह काफी नाजुक होती है, इस जगह पर चंदन पाउडर का लेप लगाने से आपकी आंखों की थकान मिट जाएगी। पेस्ट को सूखने के बाद उसे ठंडे पानी से धो लें। नींबू में एंटी आक्सीडेंट गुण होते हैं। इसके स्लाइस को आंखों के चारो ओर रगड़ने से सूजी हुई आंखों में जान सी आ जाती है।

तनाव की समस्या से घबराएं

यह हो सकती है वंशानुगत भी



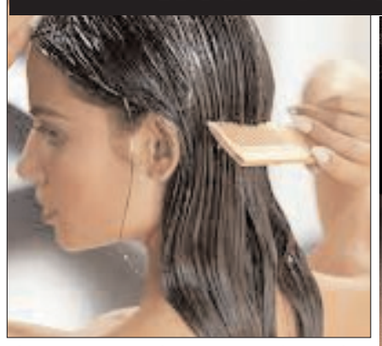
एक ताजा अनुसंधान से पता चला है कि तनाव मोल लेने की समस्या वंशानुगत भी हो सकती है। अनुसंधान में उस गुणसूत्रीय जोड़े की पहचान कर ली गई है, जो मुश्किल हालात के बाद तनाव का खतरा बढ़ा देते हैं। इसका स्पष्ट आशय है कि पीढ़ियों से मिले ये गुणसूत्र हममें मानसिक अवसाद बढ़ाने की समस्या भी पिछली पीढ़ियों से ले आते हैं।

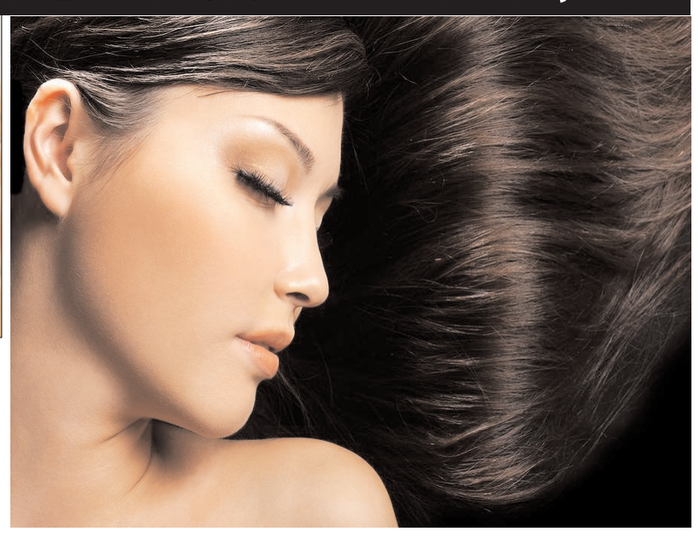
मस्तिष्क के कार्य में अहम भूमिका अदा करने वाले इन दोनों गुणसूत्रों को सीओएमटी और टीपीएच-2 नाम से जाना जाता है। शोध के मुख्य लेखक कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ता अर्मेन गोएनजियान ने कहा, हमें शोध में तनाव बढ़ने की समस्या और सीओएमटी तथा टीपीएच-2 गुणसूत्रों के बीच महत्वपूर्ण संबंध का पता चला।

ये गुणसूत्र ही इस मानसिक तनाव की बीमारी को लगातार बढ़ाए रखने के लिए जिम्मेदार है। गोएनजियन ने कहा कि हमारे शोध के परिणामों से संकेत मिलता है कि जिन लोगों में ये गुणसूत्र मौजूद होते हैं, उनमें मानसिक अवसाद बढ़ने का जोखिम अधिक हो सकता है। इस शोध से मानसिक अवसाद से समस्याग्रस्त लोगों के बेहतर उपचार और निदान के लिए जैविक आधार मिल सकता है। युद्ध, दुष्कर्म या प्राकृतिक आपदा जैसी जीवन को हिला देने वाली घटनाओं के बाद ज्यादातर लोग इस तरह के मानसिक अवसाद से ग्रस्त हो जाते हैं, लेकिन जरूरी नहीं है कि तनावग्रस्त सभी व्यक्तियों को यह समस्या हो। अध्ययन के लिए अनुसंधानकर्ताओं ने 200 लोगों के डीएनए इकट्ठा किए, ताकि इस मानसिक समस्या के आनुवंशिक लक्षणों का पता लगाया जा सके।

अनुसंधानकर्ताओं ने अर्मेनिया के लोगों को इस शोध के लिए चुना, क्योंकि 1988 में वहां 6.8 तीव्रता का बेहद प्रलयंकारी भूकंप आया था, जिसमें 25,000 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी और मरने वालों में एक-तिहाई संख्या बच्चों की थी। गोएनजियन ने जोर देकर कहा, हमारे अध्ययन से वैज्ञानिकों को ज्यादा कारगर उपचारों की खोज करने में भी मदद मिल सकती है।

बालों के लिए ग्लिसरीन के फायदे





नारी सौंदर्य पर रची गयी शायरी हो या कविता-कहानियां, बिना उसके बालों की खूबसूरती का व्याख्यान किये पूरी नहीं होती। और भला ऐसा हो भी क्यों नहीं, काले, घने व लहराते बाल महिलाओं की खूबसूरती में चार चांद जो लगा देते हैं। मगर बालों को खूबसूरत बनाये रखना आसान काम नहीं। लेकिन, कुछ ऐसी चीजें हैं जिन्हें अपना कर आप अपने बालों को खूबसूरत बना सकती हैं। एक ऐसी ही चीज है ग्लिसरीन। जी, वही ग्लिसरीन जो फिल्मी कलाकार आंखों से नकली आंसू निकालने के लिए इस्तेमाल करते हैं। ग्लिसरीन और बालग्लिसरीन एक प्राकृतिक, गाढ़ा तथा रंगहीन तरल है, जो नमी को आकर्षित करता है। यह अधिकांश सौंदर्य उत्पादों में प्रयोग किया जाता है। ग्लिसरीन का उपयोग स्वस्थ, चमकदार और बालों के स्वस्थ विकास के लिए किया जा सकता है। ग्लिसरीन का सिर पर ठीक प्रकार से प्रयोग करने से बालों को बढ़ने में मदद मिलती है।

ग्लिसरीन को बालों की देखभाल के लिये कैसे इस्तमाल किया जाए इसके लिये निम्न कुछ सुझावों पर गौर फरमाएं -

कर्ली (घुंघराले) बालों के लिए: स्प्रे- भले ही कर्ली बाल देखने में बड़े ही अच्छे लगते हों, लेकिन इसका यह मतलब नहीं होता कि आप इनकी बिल्कुल भी देखरेख न रखें। बल्कि घुंघराले बालों को तो देखभाल की ज्यादा जरूरत होती है। घुंघराले बाल काफी रुखे से नजर आते हैं, इसलिए अगर उन्हें थोड़ा नरम करना है तो उस पर ग्लिसरीन लगायें।

बाल धोने के लिए ग्लिसरीन: बाल धोने में ग्लिसरीन का उपयोग करने के लिए, बराबर-बराबर भाग में पानी और ग्लिसरीन का मिश्रण बना कर रख लें। उतना ही मिश्रण बनाए जितने से आपके बाल ठीक तरह से धुल जाएं। अधिक बना कर न रखें। आप सामान्य रूप से कंडीशनिंग और बाल धोने के बाद नम बालों पर इस मिश्रण को लगाएं। उंगलियों की सहायता से इस मिश्रण को सिर की त्वचा पर लगायें। कोशिश करें कि खुश्क जगहों पर यह मिश्रण ठीक प्रकार से लग जाए। अब पांच से छह मिनट तक रुकें और फिर हल्के गुनगुने पानी से धो दें। बेहतर नतीजों के लिए इसे हफ्ते में तीन से चार बार इस्तेमाल करें।

डेंड्रफ दूर करने के लिए ग्लिसरीन: बालों की समस्या आजकल आम है, खुश्की से हर दूसरा व्यक्ति परेशान रहता है। इसके लिए आप दो-तीन बातों को ध्यान में रखकर इस समस्या से निदन पा सकती हैं। हेयर ड्रायर का प्रयोग यथासंभव कम कर दें।

बालों में डेंड्रफ होने से बाल बेजान हो जाते है, गिरने लगते हैं और सिर में खुजली भी रहती है। बालों में लगातार डेंड्रफ बने रहने से परेशान लोग कई तरह के एंटी डेंड्रफ शैम्पू का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन शैंपू, तेल आदि से डेंड्रफ तब तक ही दूर रहता है जब तक कि इन उत्पादकों का उपयोग किया जाता है लेकिन इनका उपयोग बंद करने के बाद डेंड्रफ वापस आ जाता है। इससे निजात पाने के लिए ग्लिसरीन और गुलाब जल का एक तीन के अनुपात में मिश्रण बना कर एक शीशी में रख लें। नहाने के बाद रोज थोड़ा हथेली पर लेकर बालों की जड़ों में उंगलियों की मदद से लगाएं। इससे डेंड्रफ चला जाता है।

ग्लिसरीन स्प्रे: यदि आप ग्लिसरीन से बानों को धोना नहीं चाहते हैं तो आप इसका मिश्रण बना कर स्प्रे की तरह भी उपयोग कर सकते हैं। इसे बनाने के लिए एक चौथाई कप कैमोमाइल चाय, एक चम्मच के शहद, तीन चम्मच ग्लिसरीन, दो चम्मच वनस्पति तेल और रोजमेरी (दौनी) तेल की छः बूंदों को अच्छे से मिलायें और एक स्प्रे बोतल में कर लें। (यदि आप सूरज की रोशनी में निकल रहे हैं और अपने बालों को अधिक चमकदार बनाना चाहती हैं तो इस मिश्रण में दो चम्मच नींबू का रस मिला लें)। हर बार उपयोग से पहले इसे अच्छे से हिला लें। इस ग्लिसरीन के स्प्रे को नहाने के बाद अपने बालों पर छिड़कें। यह स्प्रे दो हफ्तों तक चलता है।

ग्लीसरिन आफ्टरशेव: ड्राइ स्किन वाले पुरुषों के लिए ग्लिसरीन आफ्टरशेव बहुत फायदेमंद है। इसे बनाने के लिए आधा कप ग्लिसरीन लें उसमें दो चम्मच एलोवेरा जेल व दो चम्मच गुलाब जल मिलाएं। इसे एयरटाइट बोतल में भर लें। और शेव करने के बाद आफ्टर शेव की तरह उपयोग करें।

युवा महिलाओं को हर हफ्ते कम से कम एक बार खाना चाहिए गुड़, चना



इंडियन मेडिकल असोसिएशन (आईएमए) के महासचिव डॉ. के. के. अग्रवाल ने सोमवार को कहा कि युवा महिलाओं को हफ्ते में कम से कम एक बार चना और गुड़ खाना चाहिए। अग्रवाल ने कहा कि गुड़ आयरन का समृद्ध स्रोत है और चने में बड़ी मात्रा में प्रोटीन होता है। ये दोनों मिलकर महिलाओं की माहवारी के दौरान होने वाले रक्त के नुकसान को पूरा करते हैं। ऑल इंडिया वूमेन कांफ्रेंस द्वारा आयोजित एक व्याख्यान में डॉ. अग्रवाल ने कहा, सभी महिलाओं को आने वाले माघ महीने में हर रोज कम से कम 40-60 मिनट धूप में बैठकर तिल के लड्डु या गजक खाने चाहिए, जिसमें कैल्शियम की मात्रा काफी ज्यादा होती है। इससे उनके शरीर में कैल्शियम और विटामिन डी की कमी पूरी हो जाएगी।

डॉ. अग्रवाल, डॉ. अंबरीश मित्तल और डॉ. अल्का कृपालानी ने एक संयुक्त वक्तव्य में कहा कि भारतीयों में विटामिन डी की कमी होना आम बात है। इसकी पूर्ति के लिए सभी भारतीयों को रोज 40 मिनट धूप में बैठना चाहिए और इस दौरान उनके शरीर का 40 फीसदी हिस्सा खुला होना चाहिए और ऐसा उन्हें साल में कम से कम 40 दिन करना चाहिए।

बयान में कहा गया है कि अगर वे ऐसा नहीं कर सकते हैं, तो उन्हें हर महीने विटामिन डी सैसे लेना चाहिए जिसमें 60,000 यूनिट विटामिन डी3 हो।

बालों के लिए वरदान है एलोवेरा

खूबसूरत और मुलायम बाल किसे पसंद नहीं। लेकिन ऐसी बालों की चाहत से ही कुछ नहीं होता, बल्कि इसके लिए हमें खास मेहनत भी करनी होती है। अपने बालों की खास देखभाल करनी पड़ती है। एलोवेरा (घृतकुमारी) का नाम तो आपने सुना ही होगा। हालांकि, आपको लगता होगा कि यह केवल चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने के ही काम आता है। लेकिन, बहुत कम लोग यह जानते हैं कि यह आयुर्वेदिक औषधि बालों के लिए भी काफी फायदेमंद है।



बालों की खूबसूरती बढ़ाए एलोवेरा: एलोवेरा के फायदे बहुत हैं। यह ना सिर्फ बालों को खूबसूरत और चमकदार बनाता है, बल्कि उन्हें जड़ से मजबूत बनाता है। इससे बालों का टूटना कम होता है। बालों को खूबसूरत बनाने के लिए एलोवेरा का इस्तेमाल काफी लाभप्रद रहता है। यह बालों से जुड़ी कई तकलीफों से राहत दिलाता है। आइए जानें खूबसूरत बालों के लिए एलोवेरा और कितना मददगार है।

तैलीय बालों की समस्याओं को दूर करने में एलोवेरा जेल बहुत कारगर है। बालों और स्कैल्प में तेल की अतिरिक्त मात्रा को सामान्य कर बालों की शक्ति को भी बढ़ाने में एलोवेरा जेल का जवाब नहीं। एलोवेरा से गंजेपन को भी दूर किया जा सकता है। एलोवेरा को स्कैल्प पर शैंपू की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे बाल मजबूत तो होते ही हैं साथ ही रूसी की समस्या भी दूर होती है।

केश संबंधी समस्याओं को एलोवेरा के प्रयोग से दूर किया जा सकता है। इससे बालों का गिरना, रूखे बाल, बालों में डेंड्रफ इत्यादि समस्याओं को दूर किया जा सकता है। एलोवेरा जेल को सिर्फ आधा घंटा लगाने के बाद ही सिर धोया जा सकता है। अगर महीने में सिर्फ दो बार इसे सिर पर लगाया जाए तो कुछ ही महीनों में आपको इसके सकारात्मक प्रभाव नजर आने लगेंगे।

नेचुरल है एलोवेरा : बाजार में बालों के लिए कई रासायनिक उत्पाद मिलते हैं। जिनके कुछ प्रतिकूल प्रभावों के चलते बालों की समस्या हो सकती है। वहीं दूसरी ओर एलोवेरा पूरी तरह प्राकृतिक है। इसके इस्तेमाल का कोई दुष्परिणाम नहीं होता। बाजार में एलोवेरा युक्त कई उत्पाद उपलब्ध हैं। इन उत्पादों का उपयोग कर आप अपने बालों को खूबसूरत और आकर्षक बना सकते हैं।

बालों को नरम, चमकदार बनाने के साथ ही लंबे बनाने के लिए आप खुद घर पर एलोवेरा शैंपू भी बना सकते हैं। इसके लिए आपको एलोवेरा जूस में नारियल, दूध और गेहूं और तेल मिलाकर बनाएं। इन टिप्स को अपनाकर आप एलोवेरा के इस्तेमाल से आप निश्चित तौर पर अपने बालों को खूबसूरत और काले और चमकदार बना सकते हैं।





मुख्यमंत्री ने एनसीसी कैडेट्स का बढ़ाया उत्साह

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को जयपुर के रामबाग चौराहे पर सड़क सुरक्षा के प्रति आमजन को जागरूक कर रहे एनसीसी कैडेट्स से मुलाकात की और उनका उत्साहवर्धन किया।

मुख्यमंत्री ने कैडेट्स के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक को स्व-अनुशासन के साथ यातायात नियमों की पालना करनी चाहिए।

इससे न केवल स्वयं, बल्कि दूसरों को भी सड़क दुर्घटनाओं से बचाया जा सकता है।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने कैडेट्स को चॉकलेट वितरित की और दीपोत्सव की शुभकामनाएं दीं।

लॉरेंस गैंग का मुख्य हथियार सप्लायर हरि बॉक्सर अमेरिका में डिटेन, भारत लाने की तैयारी

जयपुर (कासं)। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार संगठित अपराधियों और आपराधिक गिरोहों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत राजस्थान पुलिस की एटीएस-एजीटीएफ ने बड़ी सफलता हासिम की है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (एटीएस/एजीटीएफ/एएनटीएफ) दिनेश एम.एन. के निर्देशन में एटीएस-एजीटीएफ ने लॉरेन्स विश्नोई गैंग के फरार मुख्य अपराधी और सक्रिय सदस्य हरिचन्द जाट उर्फ हरि बॉक्सर को अमेरिका में डिटेन करवाया गया है। अमेरिकी एजेंसी आईसीई से उसे भारत लाने की कार्रवाई जारी है। हरिचन्द जाट उर्फ हरि बॉक्सर पुत्र गिरधारी लाल जाट (40) निवासी चतरपुरा तहसील नारायणपुर थाना बासदयाल जिला कोटपूतली-बहरोड़ का रहने वाला है। वह विदेश में बैठकर लॉरेन्स गैंग के लिए भारत में आपराधिक गतिविधियां संचालित कर रहा था। हरि बॉक्सर, लॉरेन्स विश्नोई/रोहित गोदारा के जबरन वसूली (एक्सटॉर्शन) गिरोह का सक्रिय सदस्य और इस गिरोह के लिए अपराध करने हेतु मुख्य हथियार आपूर्तिकर्ता है। वह लॉरेन्स विश्नोई/रोहित गोदारा के इशारे पर गिरोह के सदस्यों को हथियार पहुंचाने और अन्य आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने में अहम भूमिका निभाता था। यह गिरोह व्हाट्सएप और सिग्नल वीओआईपी (वीपीएन) कॉल के जरिए अमीर व्यापारियों को धमकाकर रंगदारी मांगता है और रकम न देने पर व्यक्ति या उसके परिवार पर गोलीबारी करता है। वह राजस्थान, हरियाणा और मुंबई में विशेष रूप से सक्रिय रहा। अप्रैल 2023 में अपने ही पासपोर्ट से विदेश फरार होने के बाद राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र (मुंबई, पुणे) में फिरौती की धमकियां देता रहा तथा हत्या व फायरिंग के कई प्रकरणों में वांछित था। बॉलीवुड निर्देशक रोहित



शेट्टी के मुंबई स्थित घर के बाहर फायरिंग करवाने के बाद सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उसने इसकी जिम्मेदारी ली थी। राजस्थान के विभिन्न थानों में उसके विरुद्ध हत्या के प्रयास, रंगदारी, आर्म्स एक्ट, संगठित अपराध, चोरी, मारपीट सहित गंभीर धाराओं में कुल 22 से अधिक प्रकरण दर्ज हैं। प्रकरण संख्या 25/2024 (आर्म्स एक्ट) में वांछित होने पर सीबीआई/इंटरपोल से समन्वय कर 14 नवम्बर 2024 को उसके विरुद्ध इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस जारी करवाया गया।

उप महानिरीक्षक पुलिस (एटीएस, इंटरपोल लाइजनिंग ऑफिसर) योगेश यादव के सुपरविजन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धांत शर्मा के नेतृत्व में उप अधीक्षक रविन्द्र प्रताप और निरीक्षक सुनील जांगिड़, मनीष शर्मा व रामविलास विश्नोई की ऑपरेशनल टीम ने आसूचना और सोर्स से सूचनाएं जुटाईं। इनसे पता चला कि हरि बॉक्सर पहले दुबई भागा, फिर डोमिनिकन रिपब्लिक गया और वहां से मैक्सिको बॉर्डर के रास्ते डंकी रूट से अमेरिका पहुंचकर कैलिफोर्निया में रहने लगा। इन तथ्यों को रेड कॉर्नर नोटिस के लिए एजीटीएफ की इंटरपोल विंग को दिया गया, जिसने न्यायालय के वारंट की प्रक्रिया के क्रम में नोटिस जारी करवाया। कैलिफोर्निया में उसके रहने की जानकारी एजीटीएफ ने पहले ही संकलित कर संबंधित एजेंसियों से साझा कर दी थी। एजीटीएफ ने विदेशी नेटवर्क की जानकारी जुटाकर अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों से समन्वय स्थापित किया। इंटरपोल विंग के प्रभारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरोत्तम लाल वर्मा और उनकी टीम ने उसकी लोकेशन और आपराधिक गतिविधियों में प्रयुक्त विदेशी नंबरों के संबंध में सीबीआई के जरिए करीब 5 देशों को 14 बार इंटरपोल रेफरेंस भिजवाए और उस पर लगातार दबाव बनाया। फरवरी 2025 में गुयाना में लोकेशन मिलने पर उसके विरुद्ध प्रोविजनल अरेस्ट रिक्वेस्ट भेजी गई, लेकिन इसी दौरान वह गुयाना से डंकी रूट से मैक्सिको होते हुए अमेरिका फरार हो गया। एजीटीएफ ने फिर भी पीछा जारी रखा और दिसम्बर 2024 से जुलाई 2026 के बीच उसकी पुख्ता जानकारी देते हुए अमेरिका को 9 इंटरपोल नोटिस भिजवाए। सीबीआई व अन्य एजेंसियों द्वारा चाहे जाने पर 21 फरवरी 2025 को प्रोविजनल अरेस्ट रिक्वेस्ट, 19 अगस्त 2026 को अपडेटेड ब्रीफ डोजियर और 29 अक्टूबर 2026 को फिंगरप्रिंट भी भेजे गए। इन्हीं प्रयासों के बाद यूएसए की आईसीई ने उसे डिटेन किया।

हरि बॉक्सर द्वारा विभिन्न विदेशी नंबरों से धमकियां और पोस्ट जारी किए जाने पर निगरानी और तकनीकी साक्ष्य जुटाने के लिए एजीटीएफ की टीम को सक्रिय किया गया था। तकनीकी विश्लेषण टीम के सउनि मोहन भूरिया और कांस्टेबल जगसीर सिंह ने विभिन्न नंबरों का विश्लेषण कर महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई। विश्वसनीय सूत्रों से यह भी पता चला कि वह पासपोर्ट नंबर ङ्क6875815 का उपयोग कर भारत से भागा था।

दीपावली पर अस्पतालों की इमरजेंसी सेवाएं 24 घंटे अलर्ट

पटाखों से जलने, आंखों में चोट और सड़क दुर्घटनाओं के मामलों में त्वरित उपचार के लिए विशेष व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार दीपावली पर्व के दौरान आमजन को सुरक्षित और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए विशेष प्रयास कर रही है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने दीपावली के दौरान अस्पतालों में आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं की पुख्ता व्यवस्था रखने तथा जरूरतमंद मरीजों को तत्काल उपचार उपलब्ध कराने पर जोर दिया है।

प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि इस संबंध में आदेश जारी कर दिए है ।प्रदेश के सभी चिकित्सा संस्थानों में बर्न यूनिट, ट्रॉमा सेंटर, नेत्र रोग आपातकालीन सेवाओं और अन्य आवश्यक चिकित्सा सुविधाओं को अलर्ट मोड पर रखने के निर्देश दिए गए हैं। प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि दीपावली के दौरान आमजन को समय पर बेहतर और निर्बाध चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए सभी अस्पतालों में आवश्यक चिकित्सकीय स्टाफ, दवाइयों, उपकरणों और जांच सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बताया कि बर्न आईसीयू, एचडीयू और बर्न वार्ड में अतिरिक्त बेड आरक्षित रखे जाएंगे। प्लास्टिक एवं रिकंस्ट्रक्टिव सर्जन, जनरल सर्जन तथा प्रशिक्षित नर्सिंग कार्मिकों की 24 घंटे उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

आंखों में चोट और कॉर्नियल बर्न के मामलों को देखते हुए नेत्र रोग विशेषज्ञों की राउंड द क्लॉक ऑन-कॉल एवं ऑन-ड्यूटी उपलब्धता रहेगी। अस्पतालों में आवश्यक दवाइयां, आई ड्रॉप्स और अन्य चिकित्सा सामग्री भी पर्याप्त मात्रा में रखी जाएगी। ट्रॉमा, कैजुअल्टी और बर्न यूनिट में किसी भी संवर्ग के चिकित्सक, रेजिडेंट, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ को अपरिहार्य आपात स्थिति के अतिरिक्त अवकाश स्वीकृत नहीं किया जाएगा। वरिष्ठ चिकित्सकों और कंसल्टेंट्स की ऑन-कॉल उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाएगी। आपातकालीन एवं ट्रॉमा वार्ड में जीवनरक्षक दवाइयां, टीटी इंजेक्शन, एंटीटेटनस सीरम, एंटीबायोटिक्स, एनाल्जेसिक, बैंडेज, प्लास्टर और सर्जिकल सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहेगी। मेडिकल ऑक्सीजन प्लांट, पीएसए प्लांट और बैकअप ऑक्सीजन सिलेंडरों की कार्यशीलता की पूर्व जांच भी की जाएगी। आपातकालीन पैथोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, डिजिटल एक्स-रे, सीटी स्कैन और सोनोग्राफी जांच सुविधाएं 24 घंटे उपलब्ध रहेंगी। ब्लड बैंक में सभी ब्लड ग्रुप और विशेष रूप से पीआरबीसी तथा प्लेटलेट्स की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। इमरजेंसी और बर्न ऑपरेशन थिएटर को पूरी तरह तैयार रखने, स्टेरिलाइजेशन, एनेस्थीसिया वर्कस्टेशन, मॉनिटर्स और निर्बाध बिजली आपूर्ति की व्यवस्था की भी जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रत्येक चिकित्सा संस्थान में एक वरिष्ठ चिकित्सक को नोडल अधिकारी नियुक्त कर 24 घंटे संचालित दीपावली इमरजेंसी कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा। यह कंट्रोल रूम जिला प्रशासन, पुलिस, अग्निशमन दल और राज्य स्तरीय आपातकालीन सेवाओं के साथ लगातार समन्वय बनाए रखेगा। सभी चिकित्सा अधीक्षक एवं पीएमओ को अपने स्तर पर अस्पतालों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की भौतिक समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं। किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता पाए जाने पर नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

सात दिवसीय BRICS Sustainable Lifestyle Week का समापन

पर्यावरण संरक्षण के लिए आदतों में बदलाव जरूरी: आरएसपीसीबी

जयपुर (कासं)। पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग एवं पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित सात दिवसीय 'BRICS Sustainable Lifestyle Week 2026' का शनिवार को समापन हुआ। सप्ताह के अंतिम दिन निर्धारित थीम 'Reduce Waste' के तहत राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल (आरएसपीसीबी) में विशेष जागरूकता गतिविधि आयोजित की गई।

इस दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दैनिक जीवन एवं कार्यस्थल पर अपशिष्ट उत्पादन कम करने तथा पर्यावरण अनुकूल व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों में कचरे के न्यूनतम उत्पादन, संसाधनों के जिम्मेदार उपयोग तथा सतत कार्यप्रणालियों के प्रति जागरूकता विकसित करना था।

इस अवसर पर कर्मचारियों को कागज की अनावश्यक खपत कम करने, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने तथा अनावश्यक कचरा उत्पन्न होने से रोकने के लिए प्रोत्साहित किया गया। साथ ही



Reduce, Reuse एवं Recycle (3R) के सिद्धांतों को दैनिक जीवन में अपनाने पर विशेष जोर दिया गया।

इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य पर्यावरण अभियंता अमित शर्मा एवं अधीक्षक वैज्ञानिक अधिकारी अभिषेक शर्मा ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए अपशिष्ट प्रबंधन, जिम्मेदार उपभोग एवं पर्यावरण अनुकूल कार्यप्रणालियों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए केवल कचरे का निस्तारण करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि कचरे के उत्पादन को शुरुआत से ही कम करना आवश्यक है। इसके लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी दैनिक आदतों में बदलाव लाते हुए संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि कागज एवं अन्य संसाधनों का आवश्यकतानुसार उपयोग, पुनः उपयोग योग्य वस्तुओं को प्राथमिकता तथा सिंगल यूज प्लास्टिक से परहेज जैसे छोटे-छोटे प्रयास पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से शपथ लेकर प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, अपशिष्ट उत्पादन को कम करने तथा स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया। उल्लेखनीय है कि 1 से 7 नवंबर तक आयोजित BRICS Sustainable Lifestyle Week 2026 के अंतर्गत प्रतिदिन अलग-अलग पर्यावरणीय विषयों पर जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। इन गतिविधियों के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली, ऊर्जा संरक्षण, जल संरक्षण, सतत खाद्य प्रणालियों, पर्यावरण अनुकूल व्यवहार, ई-वेस्ट में कमी तथा अपशिष्ट न्यूनीकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर आमजन एवं विभिन्न संस्थानों की भागीदारी को प्रोत्साहित किया गया।

आरएसपीसीबी द्वारा इस प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ने तथा सतत जीवनशैली को दैनिक व्यवहार का हिस्सा बनाने के प्रयास निरंतर किए जा रहे हैं।

उपराष्ट्रपति ने रेल मंत्रालय को 'पीएम सूर्य घर एक्सीलेंस अवार्ड' से सम्मानित किया

देश भर में रेलवे के 12,495 भवनों पर रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाए गए

जयपुर (कासं)। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 'रिन्यूएबल एनर्जी समिट एंड एक्सपो 2026' में रेल मंत्रालय को प्रतिष्ठित 'पीएम सूर्य घर एक्सीलेंस अवार्ड' से सम्मानित किया। 'पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना' के तहत, 'केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों द्वारा सबसे अधिक भवनों को सौर ऊर्जा से सुसज्जित करने' की श्रेणी में रेल मंत्रालय ने शीर्ष स्थान हासिल किया है। यह सार्वजनिक संस्थानों में अक्षय ऊर्जा को अपनाने के लिए एक प्रेरणादायक राष्ट्रीय मानक स्थापित करता है। रेल मंत्रालय ने देश भर में रूफटॉप सोलर लगाने के लिए 15,868 उपयुक्त रेल भवनों की पहचान की है।

अब तक, कुल चिन्हित भवनों में से 79 प्रतिशत यानी 12,495 भवनों पर रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाए जा चुके हैं। मंत्रालय ने 424 मेगावाट के अपने लक्ष्य की तुलना में 351 मेगावाट की रूफटॉप सोलर क्षमता स्थापित कर ली है। राष्ट्रीय स्तर पर, 77 केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों के अंतर्गत पहचाने गए 39,135 भवनों में से 25,984 भवनों को अब तक सौर ऊर्जा से सुसज्जित किया जा चुका है, जो कुल चिन्हित भवनों का 66 प्रतिशत है। इस राष्ट्रीय उपलब्धि में रेल मंत्रालय का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। रेल मंत्रालय मार्च 2027 तक बाकी बचे सभी उपयुक्त भवनों पर सोलर सिस्टम लगाने के लिए प्रतिबद्ध है। जो भारत के लिए एक स्वच्छ, ऊर्जा-सक्षम और टिकाऊ भविष्य बनाने के प्रति मंत्रालय के संकल्प को और मजबूत करता है।

कोटा से 07, 09 एवं 10 नवंबर तथा रशीदपुर खोरी से 08, 10 एवं 11 नवंबर को होगा संचालन, मार्ग के प्रमुख स्टेशनों पर मिलेगा ठहराव

जयपुर (कासं)। त्योहारी सीजन में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए कोटा-रशीदपुर खोरी-कोटा के मध्य स्पेशल रेलसेवा का संचालन किया जा रहा है। इस स्पेशल रेलसेवा के संचालन से राजस्थान के विभिन्न शहरों सहित मार्गवर्ती क्षेत्रों के यात्रियों को आवागमन के लिए अतिरिक्त रेल सुविधा उपलब्ध होगी। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार गाड़ी संख्या 09803, कोटा-रशीदपुर खोरी स्पेशल रेलसेवा दिनांक 07, 09 एवं 10 नवंबर 2026 को (03 ट्रिप) कोटा से 21.55 बजे रवाना होकर अगले दिन 05.40 बजे रशीदपुर खोरी पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09804, रशीदपुर खोरी-कोटा स्पेशल रेलसेवा दिनांक 08, 10 एवं 11 नवंबर 2026 को (03 ट्रिप) रशीदपुर खोरी से 07.15 बजे रवाना होकर उसी दिन 16.30 बजे कोटा पहुंचेगी। यह स्पेशल रेलसेवा अपने मार्ग में लाखेरी, इंद्रगढ़, सवाई माधोपुर, दुर्गापुरा, जयपुर, ढेहर का बालाजी, रींगस एवं सीकर स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इससे इन स्टेशनों के आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को भी लाभ मिलेगा। इस रेलसेवा में यात्रियों की सुविधा के लिए 01 थर्ड एसी, 03 द्वितीय शयनयान, 02 द्वितीय कुर्सीयान, 08 साधारण श्रेणी एवं 02 गार्ड डिब्बों



न्यूज इनबॉक्स

दीपावली पर अलर्ट मोड में रहेंगे सरकारी अस्पताल, बर्न यूनिट में पुख्ता इंतजाम

जयपुर (कासं)। दीपावली के त्योहार को देखते हुए प्रदेश में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को पूरी तरह मुस्तैद रखने के निर्देश दिए गए हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों में आपातकालीन सेवाओं और बर्न यूनिट को अलर्ट मोड पर रखने के निर्देश दिए हैं। साथ ही आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं से जुड़े चिकित्सा कर्मियों के अवकाश निरस्त करने के निर्देश भी दिए गए हैं। चिकित्सा मंत्री ने कहा कि दीपावली के दौरान पटाखों से जलने, आगजनी और अन्य दुर्घटनाओं की आशंका रहती है। ऐसे में सभी अस्पतालों में आपातकालीन उपचार की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बर्न यूनिट में आवश्यक संसाधन, दवाइयां और उपचार संबंधी सुविधाएं उपलब्ध रहें, ताकि किसी भी आपात स्थिति में मरीजों को तत्काल उपचार मिल सके। उन्होंने निर्देश दिए कि आपातकालीन सेवाओं से जुड़े चिकित्सक एवं अन्य चिकित्सा कर्मी ड्यूटी पर उपलब्ध रहें। अस्पतालों में आवश्यक स्टाफ की तैनाती सुनिश्चित की जाए और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी व्यवस्थाएं तैयार रखी जाएं। चिकित्सा मंत्री ने कहा कि त्योहार के दौरान आमजन को बेहतर और त्वरित चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जेडीए द्वारा शहर के पार्कों में स्वच्छता अभियान आयोजित

जयपुर (कासं)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा शहर में पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे 'वृक्षारोपण, हरित एवं स्वच्छता कार्यक्रम' के तहत शनिवार, 7 नवंबर को शहर के विभिन्न पार्कों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। जयपुर विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने बताया कि यह सात दिवसीय अभियान 'ब्रिक्स सस्टेनेबल लाइफ स्टाइल वीक' (BRICS Sustainable Life Style Week) के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। अभियान की मुख्य थीम 'मिशन लाइफ-अडॉप्ट हेल्दी लाइफस्टाइल' (Mission LiFE - Adopt Healthy Lifestyle) रखी गई है। अभियान के तहत जेडीए के विभिन्न जोन्स में स्थित पार्कों में स्वच्छता गतिविधियां आयोजित की गईं। इस दौरान पार्कों में साफ-सफाई कर कचरे एवं अनावश्यक गंदगी को हटाया गया। अभियान के माध्यम से शहर के हरित क्षेत्रों को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने के साथ ही आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया। प्राधिकरण द्वारा आमजन से अपील की गई है कि वे अपने आसपास के क्षेत्रों एवं पार्कों में स्वच्छता बनाए रखें, कचरा निर्धारित स्थानों पर ही डालें तथा पर्यावरण संरक्षण एवं स्वस्थ जीवनशैली को अपनी दैनिक आदतों में शामिल कर स्वच्छ एवं हरित जयपुर के निर्माण में सहभागी बनें।

शहरवासियों को जल्द मिलेंगी अनेक सौगातें- देवनानी

अजमेर (कासं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भाईदूज के पावन पर्व पर शहरवासियों एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कामना की कि प्रकाश का यह महापर्व प्रत्येक परिवार के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली का नया उजास लेकर आए। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि अजमेर विकास की नई इबारत लिखने के लिए तैयार है। पर्यटन और विकास के क्षेत्र में शहर निरंतर नई ऊंचाइयां छू रहा है। आने वाले समय में विभिन्न महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के पूर्ण होने से अजमेर की तस्वीर बदलेगी और शहरवासियों को अनेक महत्वपूर्ण सौगातें मिलेंगी। शीघ्र ही अजमेर विकास का नया अध्याय लिखते हुए एक विकसित एवं उन्नत शहर के रूप में अपनी पहचान स्थापित करेगा। उन्होंने अजमेर को सुंदर, स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों को विकास कार्यों में तेजी लाने तथा सभी परियोजनाओं को गुणवत्तापूर्ण ढंग से समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

पर्यटन को मिलेगी नई पहचान

उन्होंने कहा कि 24 करोड़ रुपये की लागत से गंगा-भैरव घाटी को लेपर्ड सफारी के रूप में विकसित किया जा रहा है। रणथम्भौर, सरिस्का, रावली-टॉडगढ़ एवं जवाई बांध की तर्ज पर यहां सनसेट प्वाइंट, सेल्फी प्वाइंट, ट्रैक एवं विश्राम स्थलों को प्राकृतिक स्वरूप में विकसित किया जाएगा। इससे अजमेर में वन्यजीव एवं प्राकृतिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इसी प्रकार 8.50 करोड़ रुपये की लागत से जयपुर रोड पर भव्य प्रवेश द्वार एवं सौंदयकरण कार्य किया जा रहा है। प्रवेश द्वार पर तीर्थराज पुष्कर, भगवान झूलेलाल, सम्राट अजयराज, सम्राट पृथ्वीराज एवं स्वामी दयानंद की प्रतिमाएं अंकित होंगी। यह अजमेर की ?तिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक बनेगा।

खेल, विज्ञान एवं आयोजनों के लिए मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं

माकड़वाली क्षेत्र में 12 करोड़ रुपये की लागत से मल्टीपर्पज स्टेडियम का निर्माण किया जा रहा है। लगभग 80 हजार दर्शकों की क्षमता वाला यह स्टेडियम खेल प्रतियोगिताओं के साथ सामाजिक, धार्मिक एवं अन्य बड़े आयोजनों के लिए उपयोगी होगा।

वहीं, 28 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन कन्वेंशन सेंटर में 1400 से अधिक व्यक्तियों की क्षमता वाला सभागार, कैफेटेरिया, रेस्टोरेंट एवं आधुनिक कॉन्फ्रेंस स्पेस विकसित किए जाएंगे। पंचशील क्षेत्र में 42 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक साइंस पार्क बनाया जा रहा है। इसमें ऑडिटोरियम, प्लेनेटेरियम, एग्जीबिशन हॉल एवं सेमिनार कक्ष जैसी सुविधाएं होंगी। इससे विद्यार्थियों को विज्ञान को व्यावहारिक रूप में समझने तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने का अवसर मिलेगा।

सड़क एवं नागरिक सुविधाओं का होगा विस्तार

रिंग रोड की दिशा में 32 करोड़ रुपये की लागत से चार प्रमुख सड़कों का विकास एवं विस्तार किया जा रहा है। इनमें नगर निगम कार्यालय से माकड़वाली रोड होते हुए नागौर हाईवे, स्टीफन चौराहे से भैरूवाड़ा-माकड़वाली होते हुए नागौर हाईवे, पृथ्वीराज नगर से रातीडांग-चौरसियावास होते हुए नौसर घाटी तक 200 फीट मास्टर प्लान रोड तथा रेयान स्कूल से हाथीखेड़ा होते हुए वरुण सागर एवं खरेखड़ी रोड तक सड़क निर्माण शामिल है। विवेकानंद पार्क में 3 करोड़ रुपये की लागत से आध्यात्मिक केंद्र प्रस्तावित है। यहां योग, ध्यान, लाइब्रेरी एवं डॉक्यूमेंट्री संबंधी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। वरुण सागर एवं चौरसियावास तालाब के सौंदयकरण से पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

स्वास्थ्य एवं धार्मिक पर्यटन को भी मिलेगी गति

कोटड़ा में 50 बेड के बहुमंजिला सैटेलाइट चिकित्सालय का निर्माण इस वर्ष के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य है। इससे क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। वहीं, वरुण सागर से पुष्कर तक प्रस्तावित चौड़ी सड़क से अजमेर-पुष्कर मार्ग की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। इससे यातायात सुगम होने के साथ धार्मिक एवं पर्यटन गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक कैलाश त्रिवेदी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43-ए, माली कॉलोनी चांदपोल बाहर जयपुर से मुद्रित एवं डी-38, प्रधानपथ, चौमू हाउस, सी स्कीम, जयपुर से प्रकाशित। सम्पादक कैलाश त्रिवेदी* । *पीआईबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार।
फोनः 0141-4038281, Email:- lokjeewanjpr@gmail.com भीलवाड़ा कार्यालयः 207-214, नागौरी गार्डन, लोकजीवन कॉम्पलेक्स, भीलवाड़ा। फोनः 01482-355985, Email:- lokjeewan@gmail.com, मो. 8306792625